Request to fix one rate for Electricity in the entire Country

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक **(**मुजफ़्फ़रनगर**) :** माननीय सभापति जी, आपकी अनुमति से सदन और सरकार के संज्ञान में एक अति महत्वपूर्ण लोक महत्व के मुद्दे को लाना चाहता हूं । भारत का किसान जिस फसल का उत्पादन करता है, पूरे देश में उसका समान मूल्य होता है । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं माननीय सदस्यों से आग्रह कर रही हूं, कृपया अपने-अपने स्थानों पर बैठिए । अब आप कॉंटीन्यू करें ।

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक **:** महोदया, एग्रीकल्चर के इनपुट्स जैसे खाद, बीज का मूल्य भी समान होता है, परन्तु सिंचाई, जो महत्वपूर्ण चीज है, उसका मूल्य अलग-अलग है । जो किसान बिजली से सिंचाई करता है, अपने निजी नलकूप द्वारा सिंचाई करता है, केंद्र सरकार उसे राज्य सरकार का विषय कहकर छोड़ देती है । आज देश का किसान बिजली के मामले में लुट रहा है । निजी नलकूप के लिए उत्तर प्रदेश सरकार में जिन किसानों ने चार, पांच वर्ष पहले पैसा जमा किया था, आज उन्हें यह कहकर पैसा वापस किया जा रहा है कि अब अनुदान समाप्त हो गया है । पहले 300 मीटर लंबी लाइन नि:शुल्क बनती थी । आज आप पूरा पैसा जमा करेंगे, यानी 2 लाख रुपये तक जमा करने पड़ेंगे । मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि किसान की मजबूरी को देखते हुए पूरे भारत में बिजली की एक समान दर तय करनी चाहिए और जो विद्युत लाइन किसान को बनानी है, केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह इन्हें अनुदानित करे और प्रदेश सरकार को निर्देशित करे कि लाइन के लिए जो एस्टिमेट आते हैं, उन सबकी लाइन पुरानी दरों पर बनाए ताकि किसान को लाभ हो सके और पूरे देश में बिजली की एक दर निश्चित करे ।